"प्रश्न-पत्र पर क्रमांक (रोल नम्बर) के अतिरिक्त कुछ भी न लिखें, अन्यथा इसे अनुचित साधनों का प्रयोग माना जायेगा तथा नियमों के अनुसार कार्यवाही की जायेगी।"

Roll No. .....

B.A. (F)

305 **Hindi Lit. I**

B.A. (Final) Supplementary Examination of the Three Year Degree Course, 2023

हिन्दी-साहित्य

प्रथम प्रश्न-पत्र

(अर्वाचीन हिन्दी-काव्य)

समय - तीन घंटे

पूर्णांक - 100

भाग-अ

नोट : (1) भाग-अ के सभी प्रश्न करने अनिवार्य हैं। इन प्रश्नों के उत्तर प्रत्येक 30 शब्दों तक सीमित हैं। प्रत्येक प्रश्न 2 अंक का है।

भाग-ब

(2) प्रत्येक इकाई में से एक प्रश्न का चयन करते हुए, कुल पाँच प्रश्नों के उत्तर दीजिये। प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग 250 शब्दों का हो। प्रत्येक प्रश्न 7 अंक का है।

https://www.jnvuonline.com

भाग-स

(3) इस भाग से कुल तीन प्रश्नों के उत्तर दीजिये। प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग 500 शब्दों का हो। प्रत्येक प्रश्न 15 अंक का है।

भाग-अ 2×10=20

1. सभी दस प्रश्नों के उत्तर दीजिये : (शब्द सीमा प्रत्येक 30 शब्द)

(i) मैथिलीशरण गुप्त की किन्हीं दो रचनाओं के नाम बताइये।

(ii) 'आंसू' किसकी रचना है?

(iii) निराला के काव्य की कोई दो विशेषताएं लिखिये।

(iv) 'नौका विहार' कविता की मूल संवेदना लिखिये।

(v) दिनकर की किन्हीं दो काव्यकृतियों के नाम लिखिये।

(vi) प्रथम तार सप्तक के संपादक कौन थे?

(vii) 'आधुनिक मीरा' की उपाधि से किस कवयित्री को विभूषित किया गया है?

(viii) माखनलाल चतुर्वेदी की दो रचनाओं के नाम लिखिये।

https://www.jnvuonline.com

(ix) 'कलगी बाजरे की' किसकी रचना है?

(x) 'पुष्प की अभिलाषा' कविता के रचनाकार का नाम बताइये।

भाग-ब

नोट : प्रश्न संख्या 2, 3 और 4 में दिये गये पद्यांशों की सप्रसंग व्याख्या कीजिये तथा प्रश्न संख्या 5 एवं 6 में दिये गये प्रश्नों पर टिप्पणी लिखिये। 5×7=35

इकाई-I

2. विकराल कुयश ही यहाँ कमाया मैंने।
निज स्वर्ग उसी पर वार दिया था मैंने,
हर तुम तक से अधिकार लिया था मैंने।
पर वही आज यह दीन हुआ रोता है,
शंकित सबसे धृत हरिण-तुल्य होता है।

अथवा

नत मस्तक गर्व वहन करते
यौवन के घन, रस कन ढरते।
हे लाज भरे सौन्दर्य!
बता दो मौन बने रहते हो क्यों।

https://www.jnvuonline.com

3. निर्दय उस नायक ने
निपट निठुराई की,
कि झोंकों की झाड़ियों से सुन्दर
सुकुमार देह सारी झकझोर डाली
मसल दिये गोरे कपोल गोल,
चौंक पड़ी युवती,
चकित चितवन निज चारों ओर फेर,
हेर प्यारे को सेज पास
नम्रमुखी हँसी, खिली
खेल रंग प्यारे संग।

अथवा

कंकाल जाल जग में फैले
फिर नवल रुधिर-पल्लव लाली।
प्राणों की मर्मर से मुखरित
जीवन की मांसल हरियाली!
मंजरित विश्व में यौवन के
जग कर जग का पिक, मतवाली
निज अमर प्रणय स्वर मदिरा से
भर दे फिर नव युग की प्याली!

https://www.jnvuonline.com

इकाई-III

4. युग-युग से अजेय, निर्बन्ध, मुक्त
युग-युग शुचि, गर्वोन्नत, महान्,
निस्सीम व्योम में तान रहा
युग से किस महिमा का वितान?

/ अथवा

साँप!
तुम सभ्य तो हुए नहीं,
नगर में बसना
भी तुम्हें नहीं आया।
एक बात पूछूँ-(उत्तर दोगे?)
तब कैसे सीखा डँसना
विष कहाँ से पाया?

इकाई-IV

5. महादेवी वर्मा की विरह वेदना को स्पष्ट कीजिये।

अथवा

माखनलाल चतुर्वेदी की राष्ट्रीय भावना पर टिप्पणी लिखिये।

https://www.jnvuonline.com

इकाई-V

6. केदारनाथ अग्रवाल की प्रगतिशील चेतना की विवेचना कीजिये।

अथवा

धर्मवीर भारती के साहित्यिक योगदान को बताइये।

भाग-स 3×15=45

नोट : निम्नलिखित में से किन्हीं तीन प्रश्नों के उत्तर दीजिये :

7. "मैथिलीशरण गुप्त नारी-मन के सूक्ष्य अध्येता हैं।" सोदाहरण स्पष्ट कीजिये।

8. जयशंकर प्रसाद के काव्यगत विशेषताओं की सोदाहरण विवेचना कीजिये।

9. 'जागो फिर एक बार' कविता की संवेदना पर विस्तार से प्रकाश डालिये।

10. "पंत प्रकृति के सुकुमार कवि हैं।" सोदाहरण स्पष्ट कीजिये।

11. अज्ञेय की काव्यगत विशेषताएं उदाहरण सहित स्पष्ट कीजिये।

--x--

https://www.jnvuonline.com